भा०वा०अ०शि०प०- हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद

(पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त निकाय)

चारा अभाव अवधि में हरे चारे की आपूर्ति हेतु चारा बैंकों की स्थापना, उनका प्रबंधन एवं साइलेज विधि द्वारा चारा संरक्षण विधि पर प्रशिक्षण कार्यक्रम: एक रिपोर्ट

हिमालय के मध्य पर्वतीय क्षेत्रों में चारा अभाव अवधि में हरे चारे की आपूर्ति हेतु चारा बैंक की स्थापना, प्रबंधन एवं चारा संरक्षण विधि" पर कैंपा - पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना (AICRP - 17) के अंतर्गत एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन दिनाँक 22 नवम्बर 2024 को नौहरा, नारग, सिरमौर में करवाया गया। जिसका प्रमुख उद्देश्य किसानों एवं पशुपालकों को चारा बैंक का महत्त्व व साइलेज बनाने की विधि के बारे में अवगत कराना था । कार्यक्रम के शुरुआत में डॉ० संदीप शर्मा द्वारा इस प्रशिक्षण कर्यक्रम के महत्व बताते हुए सर्दियों के मौसम में पहाड़ी क्षेत्रों में होने वाले चारे की कमी के बारे में अवगत करवाया और साथ ही शुष्क मौसम में चारे की कमी को दूर करने के लिए चारा बैंक की भूमिका के बारे में जानकारी दी गयी। तत्पश्चात साइलेज बनाने की विधि पर परियोजना के सह-प्रधान अन्वेषक डॉ० प्रवीन रावत ने शुष्क मौसम के लिये चारा बैंक प्रबंधन, साईलेज विधि द्वारा चारा संरक्षण, साइलेज बनाने की प्रक्रिया, उनसे होने वाले लाभ और साइलेज की गुणवत्ता प्रभावित करने वाले कारकों पर चर्चा की गयी तथा उन्होंने प्रशिक्षण कार्यक्रम में आये सभी प्रतिभागियों को साइलेज बनाने की विधि का चरण-दर-चरण प्रक्रिया का व्यवहारिक ज्ञान दिया। इस दौरान उन्होंने साइलेज बनाते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए इस पर भी चर्चा की। इस दौरान उन्होंने बताया कि साइलेज लगभग 45-60 दिन में बनकर तैयार हो जाता है तथा बनने के बाद इससे मीठी सी सुगंध आती है । परियोजना में कार्यरत परियोजना सहायक श्री गौरव स्वरूप वर्मा ने देहरादून में प्राप्त प्रशिक्षण एवं चार बैंक स्थापित करने के अपने अनुभव साझा किए तथा ग्रामीणों को इस कार्यक्रम से आजीविका उपार्जन की महत्ता को समझाया । इस कार्यक्रम पर परियोजना में कार्यरत तकनीशियन जिया लाल, कनिष्ठ परियोजना अध्येता सुश्री पूर्णिमा शर्मा भी मौजूद रहे। अंत में सभी प्रशिक्षुओं को नौहरा, नारग में AICRP-17 (All India coordinated Research Project on Fodder) परियोजना के अंतर्गत स्थापित चारा बैंक प्रदर्शन भूखंड का दौरा करवाया गया और सभी प्रतिभागियों से चारा बैंक स्थापित करने तथा इसके प्रबंधन के विषय में जानकारी साझा की गयी । अंत में संस्थान के वैज्ञानिक डॉ० प्रवीन रावत ने आयोजकों, वक्ताओं और प्रतिभागियों को उनके योगदान के लिए धन्यवाद दिया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम की झलकियाँ